3.मेरा देश, मेरी माँ

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1.भारत पर दुश्मनों ने कब आक्रमण किया?
दुश्मन ने भारत पर सन उन्नीस सौ पैंसठ (1965) में आक्रमण किया।

2.मेजर को तुरंत किसका स्मरण हो गया?
मेजर को तुरंत मातृभूमि का स्मरण हो गया।

3.मेजर ने किसके पैर छूकर प्रणाम किया?
मेजर ने अपनी माँ के पैर छूकर प्रणाम किया।

4.इच्छोगिल नहर को तोड़ने के लिए कौन तैयार थे ?
इच्छोगिल नहर को तोड़ने के लिए भारतीय सेना तैयार थे ।

5.मेजर ने किसकी परवाह नहीं करते हुए मोर्चा को सँभाला ?
मेजर ने मौत की परवाह नहीं करते हुए मोर्चा को सँभाला ।

6.मेजर ने अधिकारियों से क्या कहा?
मेजर ने अधिकारियों से "हाँ है, मेरी माँ तक संदेश पहुँच देना, तुम्हारे बेटे ने गोलियाँ सीने पर खायी है, पीठ परनहीं।'

7.मेजर आत्माराम त्यागी ने मातृभूमि की रक्षा में किसकी बाजी लगा दी ?
मेजर आत्माराम त्यागी ने मातृभूमि की रक्षा में प्राणों की बाजी लगा दी।

8.मेजर आत्माराम त्यागी ने किसे दिये हुए वचनों का पालन किया ?
मेजर आत्माराम त्यागी ने माँ को दिये हुए वचनों का पालन किया।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.सैनिकों को तुरंत वापस आने का आदेश अचानक क्यों दिया गया ?
दुश्मनों ने भारत पर आक्रमण कर दिया। अचानक हुए इस हमले ने भारतीय सेना को चौका दिया। छुट्टियाँ बिताने अपने घर गये सैनिकों को तुरंत वापस आने के आदेश भेजे गये ।।

2.युद्धभूमि जाने से पहले मेजर ने जब माँ को प्रणाम किया तब दोनों की स्थिति कैसी थी?

युद्धभूमि जाने से पहले मेजर ने माँ के पैर छूकर प्रणाम किया। माँ का ममत्व जाग उठा। आँखों में आँसू भर गये और उन्होंने बेटे को सीने से लगा लिया। मेजर का गला भी रुंध गया, पर तुरंत ही मातृभूमि का स्मरण हो गया।

3.युद्धभूमि को जाते हुए पुत्र के सिर पर हाथ रखकर माँ ने क्या आशीर्वाद दिये?
युद्धभूमि को जाते हुए पुत्र के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए माँ ने कहा – "बेटे, इस समय प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र रक्षा करना ही सबसे बड़ा कर्तव्य है। जाओ और दृढ़ता से अपने कर्तव्य का पालन करो। याद | रहे-भारतीय परंपरा सीने पर गोली खाने की है, पीठ पर नहीं ।"

4.अमृतसर के अस्पताल में मेजर के अंतिम शब्द क्या थे ?
अमृतसर के अस्पताल में मेजर के अंतिम शब्द है "हाँ हैं मेरी माँ तक संदेश पहुँचा देना तुम्हारे बेटे ने गोलियाँ सीने पर खायी है, पीठ पर नहीं।'

5.मेजर आत्माराम त्यागी की युद्ध कौशलता के बारे में आप क्या जानते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए ।
शत्रु से देश की रक्षा करना देशवासियों को परम पुनीत कर्तव्य होता है। लड़ाई में पीठ दिखाकर भागना नहीं | चाहिए। सीना तानकर आगे बढ़ना चाहिए। ये सभी मेजर आत्माराम दुबे की युद्धकुशलता हैं ।

III.उदाहरण के अनुसार विलोम शब्द शब्द लिखिएः

उदा : अच्छा x बुरा

1. बड़ा x छोटा
2. आगे x पीछे
3. दोस्त x दुश्मन
4. भेद्य x अभेद्य

IV. उदाहरण के अनुसार स्त्रीलिंग एकवचन के बहुवचन रूप लिखिए :
'ई' की जगह 'इयाँ' लिखने से स्त्रीलिंग एकवचन का बहुवचन रूप बनता है। बदलते रूप को समझिए।

उदा : तैयारी – तैयारियां

1. छुट्टी – छुट्टियाँ

2. गोली – गोलियाँ
3. रोटी – रोटियाँ
4. लाठी – लाठियाँ
5. खिड़की – खिड़कियाँ
6. जिम्मेदारी – जिम्मेदारियाँ

V. नमूने के अनुसार शब्द बनाइए :

उदा : मालिक → मालकिन

1. धोबी →धोबिन
2. बाघ → बाघिन
3. माली → मालिन
4. साथी → साथिन
5. तेली → तेलिन

VI. नमूने के अनुसार अन्य वचन शब्द बनाइए :

उदा : परीक्षा – परीक्षाएं

1. माला – मालाएँ
2. शाखा – शाखाएँ
3. कविता – कविताएँ
4. पत्रिका – पत्रिकाएँ
5. रेखा – रेखाएँ।

VII. इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

उदाहरण : दीवार -इस दीवार का रंग सफेद है।

1. छुट्टी – मेजर छुट्टी बिताने अपने घर गये ।
2. वातावरण – मेरा गाँव में हर तरफ शांति का वातावरण था।
3. प्रणाम – माँ के पैर छूकर प्रणाम किया।
4. आसान – हिन्दी सीखना आसान था। ।
5. गोली – मेजर के पेट या हाथ को गोली घुस गई

VIII. कन्नड़ या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए :

1. राष्ट्ररक्षा करना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है।

उत्तर : ರಾಷ್ಟ್ರ ರಕ್ಷಣೆ ಮಾಡುವುದು ನಮ್ಮೆಲರ ದೊಡ್ಡ ಕರ್ತವ್ಯ.

Protecting our country is ours foremost duty.

2. भारतीय परंपरा सीने पर गोली खाने की है, पीठ पर नहीं।

उत्तर : ಭಾರತೀಯರು ಪರಂಪರೆ ಗುಂಡಿಗೆ ಎದೆಯೊಡ್ಡುವರೇ ಹೊರತು ಬೆನ್ನಲ್ಲ.

Indians tradition is facing bullet on chest, not on the bac

3. युद्ध भीषण रूप से फैलता जा रहा था।

उत्तर : ಯುದ್ಧವು ಭೀಕರವಾದ ಸ್ವರೂಪ ತಾಳುತ್ತಿತ್ತು.

War was spreading dangerously.

4. मेजर पर देशभक्ति का जोश पूरी तरह छाया हुआ था।

उत्तर : ಮೇಜರನನ್ನು ದೇಶಭಕ್ತಿಯ ಉತ್ಸಾಹವು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಆವರಿಸಿತ್ತು.

Major was filled with patriotic fervour.

5. गोलियाँ आ–आ कर उनके सीने में घुसती रहीं।

उत्तर : ಗುಂಡುಗಳು ಒಂದೇ ಸಮನೇ ಆತನ ಎದೆಯಲ್ಲಿ ದೂರುತ್ತಿದ್ದವು.

Bullets were coming and hitting his chest continuously.

'सर्वनाम वाक्य में 'संज्ञा' के बदले प्रयुक्त शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से वाक्य सुंदर, सरल और संक्षिप्त लगते हैं। सर्वनाम के भेद :

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निजवाचक सर्वनाम – जैसे : खुद, स्वयं, स्वतः आदि।
3. निश्चयवाचक सर्वनाम – जैसे : इसने, इन्होंने, उसने, उन्होंने, मैं, हम, आदि
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जैसे : कोई, कुछ, कहीं, किसी आदि
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम – जैसे : कौन, कहाँ, क्यों, किसमें आदि
6. संबंधवाचक सर्वनाम – जैसे : जो-सो, ज्यों-त्यों, जैसे-तैसे, जहाँ-तहाँ आदि

पूरक वाचन

पढ़िए और लिखिए :

आज से कई साल पहले तक लोग यही मानते थे कि पेड़-पौधों में जीवन नहीं होता । वे सुख-दुख का अनुभव नहीं कर सकते। परंतु हमारे ही देश के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक ने प्रयोगों द्वारा यह सिद्ध कर दिया कि पेड़पौधों में जीवन होता है। उन पर भी हमारी तरह गर्मी-सर्दी और विष आदि का प्रभाव पड़ता है। वे भी अन्य प्राणियों की तरह खाते-पीते, सोते-जागते, हँसते-रोते, काम करते और आराम करते हैं।

जगदीशचंद्र बसु ने सबसे पहले इस बात का पता लगाया था और यह भी सिद्ध कर दिया कि सभी जीवजंतुओं की तरह पेड़-पौधों में भी प्राण हैं, बिलकुल हमारी तरह। वे भी रात को आराम करते हैं। हमारी तरह उन्हें भी प्यास लगती है। इसलिए पेड़-पौधों को रोज़ पानी देना चाहिए।

1.इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।
पेड़-पौधे हमारी जीवन साथी/पेड़-पौधा मनुष्य एक है।

2.किस वैज्ञानिक ने बताया कि पेड़-पौधों में जीवन है?
जगदीशचन्द्र बसु ने बताया कि पेड़-पौधों में जीवन है ।

3.आज से कई साल पूर्व तक लोग क्या मानते थे? |
आज से कई साल पहले तक लोग नहीं मानते थे कि पेड़-पौधों में जीवन नहीं होता।

4.पेड़-पौधे अन्य प्राणियों की तरह क्या-क्या करते हैं?
पेड़-पौधे अन्य प्राणियों की तरह खाते-पीते, सोते-जागते, हँसते-रोते, काम करते और आराम करते हैं।